

RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

Key Point

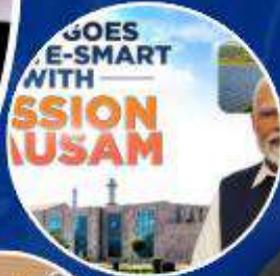
DATE

जनवरी

17

2025

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



EURALINK



By Ankit Avasthi Sir

मिशन मौसम / Mission Mausam

संदर्भ:

प्रधानमंत्री ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'मिशन मौसम' का उद्घाटन किया।

मिशन मौसम के बारे में:

- **उद्देश्य:** भारत को 'मौसम के लिए तैयार और जलवायु-स्मार्ट' राष्ट्र बनाना, मौसम और जलवायु विज्ञान, अनुसंधान और सेवाओं को बढ़ावा देना।
- **बजट और क्रियान्वयन:** ₹2,000 करोड़ का आवंटन, दो वर्षों के लिए। इसे **भारतीय मौसम विभाग (IMD), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM)** और **मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान के लिए राष्ट्रीय केंद्र (NCMRWF)** द्वारा लागू किया जाएगा।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
 1. **सटीक पूर्वानुमान:**
 - रीयल-टाइम स्थानीय मौसम पूर्वानुमान।
 - मौसम प्रबंधन तकनीकों पर अनुसंधान।
 2. **उन्नत तकनीक का उपयोग:**
 - आधुनिक मौसम निगरानी प्रणाली।
 - उच्च-रिज़ॉल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन।
 - नई पीढ़ी के रडार, सैटेलाइट और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटर।
 3. **डेटा आधारित पूर्वानुमान:**
 - स्थानिक और समयिक सटीकता में सुधार।
 - जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान।
 4. **वायु गुणवत्ता की निगरानी:**
 - दीर्घकालिक रणनीतियों के लिए विस्तृत वायु गुणवत्ता डेटा।

महत्व:

1. **चरम मौसम घटनाएँ:**
 - भारत में बादल फटना, बिजली गिरना, और भारी बारिश जैसी घटनाएँ आम हैं।
 - छोटे पैमाने की घटनाओं के लिए बेहतर पूर्वानुमान की आवश्यकता।
2. **मौसम संशोधन:**
 - बादलों में चांदी आयोडाइड छिड़ककर वर्षा बढ़ाने या रोकने की तकनीक।
 - अन्य देशों (अमेरिका, चीन, यूएई) में सफल उपयोग।
3. **बाढ़ रोकथाम:**
 - बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बारिश के पैटर्न में बदलाव।
4. **सूखा समाधान:**
 - सूखा क्षेत्रों में कृत्रिम वर्षा द्वारा पानी की समस्या कम करना।

भारत में मौसम पूर्वानुमान की चुनौतियाँ:

1. **वायुमंडलीय प्रक्रियाओं की जटिलता:**
 - उष्णकटिबंधीय स्थान और मानसून की अनिश्चितता पूर्वानुमान को कठिन बनाते हैं।
2. **स्थानीय पूर्वानुमान क्षमता में कमी:**
 - IMD केवल 12 किमी x 12 किमी क्षेत्र के लिए पूर्वानुमान प्रदान करता है, जो शहर के भीतर किसी विशिष्ट स्थान के लिए पर्याप्त नहीं है।
3. **अपर्याप्त उपकरण:**
 - IMD के पास केवल 39 डॉपलर रडार हैं और कोई विंड प्रोफाइलर नहीं है, जबकि चीन के पास 217 रडार और 128 विंड प्रोफाइलर हैं।
4. **पूर्वानुमान की गलत व्याख्या:**
 - सैटेलाइट इमेज, रडार और अन्य डेटा की गलत व्याख्या के कारण बार-बार पूर्वानुमान चूक हो जाती है।
5. **जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:**
 - अनियमित मौसम पैटर्न, भारी बारिश और सूखे जैसी स्थानीय घटनाओं को जन्म देता है।
 - बादल फटना, आंधी-तूफान जैसी घटनाओं की समझ अभी भी सीमित है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD):

1. **स्थापना और उद्देश्य:**
 - IMD की स्थापना 1875 में हुई।
 - यह देश की राष्ट्रीय मौसम सेवा है और मौसम विज्ञान से संबंधित सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
2. **प्रमुख अधिकारी:** IMD के प्रमुख, निदेशक सामान्य (Director General of Meteorology) हैं।
3. **क्षेत्रीय केंद्र:**
 - 6 क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र:
 - मुख्यालय: मुंबई, चेन्नई, नई दिल्ली, कोलकाता, नागपुर, और गुवाहाटी।
4. **मुख्यालय:** IMD का मुख्यालय नई दिल्ली में है।
5. **मंत्रालय:** वर्तमान में IMD, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के अंतर्गत आता है।

INS सूरत, INS नीलगिरी, INS वाघशीर / INS Surat, INS Nilgiri, INS Vaghsheer

संदर्भ:

हाल ही में मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में तीन युद्धपोत - **आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी**, और **आईएनएस वाघशीर** को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

भारतीय नौसेना में शामिल तीन स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी:

- **तारीख और स्थान:** 15 जनवरी 2025, मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में समारोह।
- **शामिल किए गये जहाज:**
 - **युद्धपोत:** INS सूरत और INS नीलगिरी।
 - **पनडुब्बी:** INS वाघशीर।
- **निर्माण और डिजाइन:**
 - मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) द्वारा निर्मित।
 - भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किए गए।
- **उन्नत विशेषताएँ:**
 - भारत में निर्मित या वैश्विक साझेदारों के सहयोग से विकसित सेंसर और हथियार प्रणालियाँ।
 - विभिन्न प्रकार के हेलीकॉप्टर संचालित करने की क्षमता: चेतक, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (ALH), सी किंग और MH-60R।



INS नीलगिरी:

- **श्रेणी और प्रोजेक्ट:** प्रोजेक्ट 17A की मुख्य स्टील्थ फ्रिगेट; शिवालिक श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) का उन्नत संस्करण।
- **निर्माता:** मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE)।
- **क्षमताएँ:** पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों से निपटने में सक्षम।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
 - सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली।
 - मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (MRSAM)।
 - 76 मिमी उन्नत तोप और त्वरित फायर क्लोज-इन हथियार प्रणाली।
- **महत्व:** एंटी-सतह, एंटी-एयर और एंटी-सबमरीन युद्ध में अत्यधिक प्रभावी।

INS सूरत:

- **श्रेणी और प्रोजेक्ट:** प्रोजेक्ट 15B के तहत अंतिम गाइडेड मिसाइल विध्वंसक; INS विशाखापत्तनम, INS मुरमुगाओ, और INS इम्फाल के बाद।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
 - विस्थापन: 7,400 टन; लंबाई: 164 मीटर।
 - हथियार: सतह से हवा में मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइलें, टॉरपीडो।
 - प्रणोदन: कंबाईंड गैस एंड गैस (COGAG) प्रणाली; गति: 30 नॉट्स से अधिक।
 - उन्नत सेंसर, संचार और AI-सक्षम सिस्टम।
- **निर्माता:** मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL)।
- **महत्व:** तेज गति, उच्च मारक क्षमता और लंबी अवधि के लिए नौसैनिक अभियानों में उपयोगी।

INS वाघशीर:

- **श्रेणी और प्रोजेक्ट:** प्रोजेक्ट 75 के तहत छठी और अंतिम स्कॉर्पीन-श्रेणी की पनडुब्बी।
- **डिजाइन:** फ्रांस की स्कॉर्पीन क्लास पर आधारित; फ्रेंच नेवल ग्रुप और स्पेन की नर्वेटिया द्वारा विकसित।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
 - डीजल-इलेक्ट्रिक ट्रांसमिशन; विश्व की सबसे शांत और बहुमुखी पनडुब्बी।
 - वायर-गाइडेड टॉरपीडो, एंटी-शिप मिसाइल, और उन्नत सोनार सिस्टम।
 - भविष्य के उन्नयन के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) तकनीक।
 - क्षमताएँ: एंटी-सतह/एंटी-सबमरीन युद्ध, खुफिया जुटाना, निगरानी और अंडरवॉटर खनन।
- **महत्व:** "हंटर-किलर" पनडुब्बी जो गुप्तता और सटीकता के साथ विविध नौसैनिक अभियानों को अंजाम देती है।

ब्लड मनी / Blood Money

संदर्भ:

यमन की एक अदालत द्वारा केरल की नर्स को सुनाई गई मौत की सजा, उसके बरी होने और स्वदेश वापसी के लिए किए जा रहे प्रयास, जिसमें पीड़ित के परिवार को 'ब्लड मनी' के रूप में आर्थिक मुआवजा देना शामिल है, ने 'ब्लड मनी' और इसके प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया है।

ब्लड मनी का अर्थ:

परिभाषा:

'ब्लड मनी' (अरबी में "दिया") एक वित्तीय मुआवजा है जो हत्या, शारीरिक हानि, या संपत्ति के नुकसान के मामलों में पीड़ित या उनके उत्तराधिकारियों को इस्लामी कानून के तहत दिया जाता है।

उद्देश्य:

- यह **क्रिसास** (प्रतिशोध) के सिद्धांत का विकल्प होता है।
- माफी** और **समझौते** को बढ़ावा देता है।
- प्रतिशोध के चक्रों को रोकने और संघर्ष को टालने के लिए मुआवजा प्रदान करता है।

ब्लड मनी कैसे काम करता है?

1. समझौता (Reconciliation):

- ब्लड मनी आमतौर पर अपराधी और पीड़ित के परिवार के बीच समझौते के रूप में तय किया जाता है।
- न्यायिक निगरानी यह सुनिश्चित करती है कि यह प्रक्रिया निष्पक्ष हो।

2. राशि का निर्धारण (Amount Determination):

- इस्लामी देशों में, पीड़ित के लिंग, धर्म और राष्ट्रीयता जैसी विशेषताएँ मुआवजे की राशि को प्रभावित करती हैं।

3. कानूनी द्वैत (Legal Duality):

- जब ब्लड मनी स्वीकार किया जाता है, तब भी राज्य अलग से दंडात्मक कदम उठा सकता है, जैसे कारावास या जुर्माना, ताकि सार्वजनिक व्यवस्था बनी रहे।

आधुनिक उपयोग में 'ब्लड मनी':

- इस्लामी देशों में उपयोग:** कई इस्लामी देशों में 'ब्लड मनी' कानूनों का पालन किया जाता है, जिनमें मुआवजे की गणना का तरीका अलग-अलग होता है।
- सऊदी अरब में:** सऊदी अरब में ट्रैफिक दुर्घटनाओं में 'ब्लड मनी' अनिवार्य है और अपराधी को कारावास भी दिया जाता है।
- ईरान, पाकिस्तान और सऊदी अरब:**
 - इन देशों में 'ब्लड मनी' कानून लिंग, धर्म और राष्ट्रीयता के आधार पर अलग-अलग होते हैं।
 - ईरान में एक महिला को पुरुष के मुकाबले आधी मुआवजा राशि दी जाती है, हालांकि इसे समान बनाने के प्रयास किए गए हैं।

4. पाकिस्तान: पाकिस्तान में 'ब्लड मनी' और प्रतिशोध को कानूनी प्रणाली में शामिल किया गया है।

5. यमन: यमन में भी पक्षों को मुआवजे के समझौते तक पहुँचने की अनुमति है, जिसमें न्यायिक निगरानी होती है।

भारत का 'ब्लड मनी' पर रुख:

1. कानूनी प्रणाली में अनुपस्थिति:

- भारतीय कानूनी प्रणाली में 'दिया' (ब्लड मनी) को मुआवजे के रूप में नहीं अपनाया गया है। भारत में हत्या या गंभीर अपराधों में पीड़ितों या उनके परिवारों के लिए वित्तीय मुआवजे का विकल्प नहीं है।

2. कानूनी प्रक्रिया:

- भारतीय कानून में औपचारिक कानूनी प्रक्रियाओं और आपराधिक न्याय प्रणाली पर जोर दिया गया है, जिसमें 'ब्लड मनी' का कोई स्थान नहीं है।

3. प्ली बार्गेनिंग (Plea Bargaining):

- 2005 के अपराध कानून (संशोधन) अधिनियम के तहत प्ली बार्गेनिंग की प्रक्रिया लागू की गई, जो कुछ मामलों में अभियुक्त और अभियोजन पक्ष के बीच समझौते की अनुमति देती है।
- इस प्रक्रिया के तहत पीड़ितों को विशिष्ट शर्तों पर मुआवजा मिलने की संभावना होती है, लेकिन यह केवल कुछ अपराधों तक सीमित है और इसमें इस्लामी कानून के तहत दिए जाने वाले 'दिया' के सांस्कृतिक और सामाजिक आयाम नहीं आते।

हालिया उदाहरण:

- 2006:** सऊदी अरब में अब्दुल रहीम की सजा ₹34 करोड़ भुगतान पर माफ, लेकिन जेल में ही रहे।
- 2009:** UAE में 17 भारतीयों को ₹4 करोड़ भुगतान पर माफ किया गया।
- 2017:** UAE में 10 भारतीयों को 200,000 दिरहम भुगतान पर माफी मिली।
- 2019:** कुवैत में अर्जुनन अथिमुथु की सजा ₹30 लाख भुगतान के बाद उम्र भर सजा में बदली।
- निमिषा प्रिया:** ईरान ने केस की समीक्षा का आश्वासन दिया, परिणाम अनिश्चित।

तीन भारतीय परमाणु संस्थान अमेरिकी एंटी लिस्ट से हटाए गए / Three Indian nuclear installations removed from US entity list

संदर्भ:

अमेरिका ने अपनी एंटी लिस्ट से तीन भारतीय कंपनियों को हटा दिया है, जिससे ऊर्जा और शोध में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के चलते 11 चीनी कंपनियों को इस सूची में जोड़ा गया है, जो उसकी विदेश नीति में रणनीतिक बदलाव का संकेत है।

यूएस एंटी लिस्ट:

- **क्या है:** यूएस एंटी लिस्ट में विदेशी व्यक्तियों, व्यवसायों और संगठनों को रखा जाता है, जिन पर कुछ वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के निर्यात पर प्रतिबंध और लाइसेंसिंग आवश्यकताएँ होती हैं।
- **प्रभाव:** लिस्ट में होने से लेन-देन पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगता, लेकिन कड़ी लाइसेंसिंग शर्तें लागू होती हैं।
- **शामिल होने का कारण:** अगर यूएस को लगता है कि ये संस्थाएँ उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेश नीति के खिलाफ गतिविधियों में शामिल हो सकती हैं, तो उन्हें लिस्ट में डाला जाता है।

यूएस एंटी लिस्ट से हटाए गए संस्थान:

1. भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC)
2. इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (IGCAR)
3. भारतीय दुर्लभ पृथ्वी (IRE)

महत्व:

- इन भारतीय संस्थाओं को हटाना 2008 के भारत-यूएस सिविल न्यूक्लियर समझौते को लागू करने में सहायता प्रदान करता है।

रणनीतिक महत्व:

- **विरोधियों के लिए संदेश:**
 - यह कदम उन संस्थाओं को स्पष्ट संदेश भेजते हैं जो अमेरिकी हितों के खिलाफ सैन्य आधुनिकीकरण का समर्थन करती हैं।
 - यह दिखाता है कि ऐसे सहयोग के परिणाम गंभीर हो सकते हैं, जैसे व्यापार प्रतिबंध और प्रतिबंधात्मक उपाय।
- **सहयोगियों के लिए प्रोत्साहन:**
 - यह उन देशों को प्रोत्साहित करता है जो अमेरिका के साथ सहयोग करते हैं।
 - साझी विदेश नीति लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए यह देशों को लाभ देता है।
 - द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए यह कदम सकारात्मक भूमिका निभाता है।

US-India Civil Nuclear Agreement (123 Agreement):

परिचय:

- यह द्विपक्षीय समझौता 2008 में संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच हस्ताक्षरित हुआ।
- इसे आमतौर पर 123 समझौता कहा जाता है।

उद्देश्य:

- अमेरिकी नागरिक परमाणु प्रौद्योगिकी को भारत के साथ साझा करने के मार्ग को खोलना।

लाभ:

1. भारत की परमाणु अलगाव समाप्त करना:

- भारत पर लगने वाले परमाणु प्रौद्योगिकी के इनकार को समाप्त करना।

2. समान साझेदार के रूप में नागरिक परमाणु सहयोग:

- अमेरिका और दुनिया के अन्य देशों के साथ समान स्तर पर नागरिक परमाणु सहयोग।

3. अमेरिकी कंपनियों द्वारा परमाणु ईंधन आपूर्ति:

- अमेरिकी कंपनियों को भारत के नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए परमाणु ईंधन और द्वैतीयक उपयोग की परमाणु प्रौद्योगिकी आपूर्ति की अनुमति।

4. ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता:

- भारत को ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता की चुनौतियों का समाधान करने में सहायता।

5. IAEA निरीक्षकों का अधिकार:

- भारत अपने नागरिक परमाणु कार्यक्रम की निगरानी के लिए अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के निरीक्षकों को पहुंच की अनुमति देता है।

स्टार्ट अप इंडिया / Start Up India

संदर्भ:

16 जनवरी 2025 को स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरुआत को नौ वर्ष पूरे हो गए। 2016 में शुरू हुई इस पहल के तहत भारत में एक मजबूत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए इस दिन को **राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

स्टार्टअप इंडिया:

- **लॉन्च:** भारत सरकार द्वारा नवाचार को बढ़ावा देने और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए लॉन्च किया गया।
- **आंकड़े:** 15 जनवरी, 2025 तक, DPIIT द्वारा 1.59 लाख से अधिक स्टार्टअप को मान्यता प्राप्त हुई है।
- **वैश्विक स्थिति:**
 - भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है।
 - 100 से अधिक यूनिफॉर्म्स भारत में हैं।
- **प्रमुख हब्स:**
 - बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख शहरों में स्टार्टअप की वृद्धि हो रही है।
 - छोटे शहर भी स्टार्टअप के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

स्टार्टअप इंडिया की विशेषताएँ:

- **व्यवसाय करने में आसानी:**
 - सरल अनुपालन प्रक्रियाएँ और एकल-खिड़की मंजूरी के माध्यम से स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन और संचालन को सरल बनाया गया।
 - विभिन्न श्रम और पर्यावरण कानूनों के तहत स्व-प्रमाणन की अनुमति दी जाती है।
- **कर लाभ:**
 - योग्य स्टार्टअप को तीन लगातार वित्तीय वर्षों तक कर छूट का लाभ मिलता है, जिससे वित्तीय बोझ में कमी आती है।
- **वित्तीय समर्थन:** ₹10,000 करोड़ का फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप (FFS) महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण के वित्तीय समर्थन प्रदान करता है।
- **क्षेत्र-विशेष नीतियाँ:**
 - बायोटेक्नोलॉजी, नवीकरणीय ऊर्जा, और कृषि क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि प्रमुख उद्योगों में विकास को बढ़ावा मिल सके।
- **क्षमता निर्माण:**
 - IGOI कर्मयोगी जैसे कार्यक्रम और कार्यशालाएँ कौशल विकास को बढ़ावा देती हैं, खासकर गैर-मेट्रो क्षेत्रों में।

मुख्य उपलब्धियाँ:

- **स्टार्टअप में वृद्धि:** DPIIT द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 500 (2016) से बढ़कर 1.59 लाख (2025) हो गई।
- **स्टार्टअप इकोसिस्टम:** भारत दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में उभरा, जिसमें 100 से अधिक यूनिफॉर्म्स हैं।
- **रोजगार सृजन:** अक्टूबर 31, 2024 तक 16.6 लाख से अधिक सीधे रोजगार सृजित हुए हैं।
- **महिला सशक्तिकरण:** 73,151 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक है।

स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चुनौतियाँ:

- **कौशल की कमी:** एआई, डेटा साइंस और उत्पाद विकास में पेशेवरों की कमी से विकास पर असर पड़ता है।
- **नियमों में अड़चन:** नौकरशाही में देरी और अनुपालन ढांचे की अस्पष्टता से संचालन में रुकावट आती है।
- **संसाधनों की असमानता:** Tier II और Tier III शहरों में मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम और बुनियादी ढांचा नहीं है।
- **पूंजी तक पहुंच:** विदेशी फंडिंग पर अत्यधिक निर्भरता और घरेलू निवेश स्रोतों की कमी।
- **कॉर्पोरेट खराब प्रबंधन:** स्टार्टअप में गवर्नेंस समस्याएँ और वित्तीय खराब प्रबंधन से दीर्घकालिक स्थिरता पर सवाल उठते हैं।

Startup India के तहत अन्य पहलें:

- **भारत स्टार्टअप ज्ञान अभिगम रजिस्ट्री (BHASKAR):** 2024 में लॉन्च किया गया यह प्लेटफॉर्म उद्यमियों, निवेशकों, सलाहकारों, नीति निर्माताओं और अन्य स्टार्टअप इकोसिस्टम खिलाड़ियों को एक ही मंच पर जोड़ता है।
- **MAARG मेंटरशिप प्लेटफॉर्म:** यह प्लेटफॉर्म मेंटर और स्टार्टअप के बीच स्मार्ट मैचमेकिंग को सुविधाजनक बनाता है।
- **Startup India Hub पोर्टल:** यह प्लेटफॉर्म उद्यमिता इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए एक व्यापक डिजिटल मंच के रूप में कार्य करता है।
- **राज्य स्तरीय स्टार्टअप रैंकिंग ढांचा:** यह पहल क्षेत्रीय स्टार्टअप इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने और क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन करती है।

भारत में तापमान वृद्धि धीमी / India warming slower

संदर्भ:

इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में तापमान में वृद्धि वैश्विक औसत की तुलना में कम दर्ज की गई है।

वैश्विक तापमान वृद्धि:

- कुल वृद्धि:** वैश्विक वार्षिक औसत तापमान **1.1°C** बढ़ गया है, जो 1850-1900 की औसत अवधि की तुलना में है।
- भूमि पर तापमान वृद्धि:** भूमि पर तापमान औद्योगिक क्रांति से अब तक **1.59°C** तक बढ़ गया है।
- महासागर तापमान वृद्धि:**
 - महासागरों का तापमान लगभग **0.88°C** बढ़ा है, जिससे समुद्र स्तर में वृद्धि और पारिस्थितिक बदलाव हो रहे हैं।

WMO की 2024 को सबसे गर्म वर्ष के रूप में पुष्टि:

- ग्लोबल तापमान रिकॉर्ड:**
 - 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष है।
 - 2015-2024 के बीच पिछले दस वर्ष सबसे गर्म वर्षों के रूप में दर्ज हुए।
- भारत में तापमान वृद्धि:**
 - भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, भारत में तापमान वृद्धि वैश्विक औसत वृद्धि से कम है।
 - वैश्विक जलवायु मॉडल भारत में हो रहे बदलावों को सटीकता से नहीं दर्शाते।
- चिंताएं और सुधार की आवश्यकता:**
 - भारत को अपनी जलवायु निगरानी और प्रभाव मूल्यांकन क्षमताओं को सुधारने की आवश्यकता है।
 - बेहतर स्थानीय जलवायु मॉडलिंग से सटीक डेटा और प्रभावी नीति निर्माण में मदद मिलेगी।

भारत में तुलनात्मक रूप से कम तापमान वृद्धि के कारण:

- उष्णकटिबंधीय स्थिति:** भूमध्य रेखा के पास होने के कारण भारत में ध्रुवीय और समशीतोष्ण क्षेत्रों की तुलना में तापमान में कम उतार-चढ़ाव होता है।
- एरोसोल और कण पदार्थ:** भारत में एरोसोल की उच्च सांद्रता सूर्य के प्रकाश को बिखेरती है, जिससे ठंडा प्रभाव पड़ता है।
- मानसून का प्रभाव:** भारतीय मानसून प्रणाली मौसमी वर्षा के माध्यम से सतही तापमान को संतुलित करती है।
- महासागर का प्रभाव:** भारत के चारों ओर महासागर तापमान को नियंत्रित करते हैं और गर्मी अवशोषित करने का कार्य करते हैं।
- भूमि का अनुपात:** वैश्विक भूमि क्षेत्रों की तुलना में भारत का भूमि क्षेत्रफल छोटा होने के कारण तापमान वृद्धि अपेक्षाकृत कम होती है।

वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने में चुनौतियाँ

- बढ़ते उत्सर्जन:** वैश्विक प्रयासों के बावजूद, जीवाश्म ईंधन का उपयोग और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन उच्च स्तर पर बना हुआ है।
- आर्थिक निर्भरता:** भारत सहित कई देश ऊर्जा के लिए कोयला और तेल पर अत्यधिक निर्भर हैं।
- वैश्विक असमानता:** जिम्मेदारियों और क्षमताओं में असमानता एकिकृत जलवायु कार्रवाई को बाधित करती है।
- अपर्याप्त वित्तीय सहायता:** विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन और न्यूनीकरण प्रयास वित्तीय सीमाओं का सामना कर रहे हैं।
- जलवायु अस्वीकारिता:** हित समूहों का विरोध और गलत जानकारी फैलाने वाले अभियानों से अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर प्रगति धीमी हो जाती है।

वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने के उपाय

- नवीकरणीय ऊर्जा अपनाना:** सौर, पवन और जल विद्युत का तेजी से उपयोग कर जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना।
- वनीकरण:** बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने की पहलें कार्बन सिंक के रूप में कार्य कर सकती हैं और वनों की कटाई को रोक सकती हैं।
- जलवायु नीतियाँ:** पेरिस समझौते जैसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों को मजबूत करना और उत्सर्जन में कटौती सुनिश्चित करना।
- तकनीकी समाकलन:** कार्बन कैप्चर, भंडारण और अन्य हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश।
- जन जागरूकता:** जलवायु परिवर्तन के बारे में समुदायों को शिक्षित करना, ताकि जमीनी स्तर पर कार्रवाई और नीति समर्थन को बढ़ावा मिल सके।

नया अमेरिकी AI निर्यात कानून / New US AI Export Law

संदर्भ:

बाइडेन प्रशासन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) विकास में उपयोग होने वाले उन्नत कंप्यूटर चिप्स के निर्यात के लिए एक नया ढांचा पेश किया है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करना है, साथ ही चिप उत्पादकों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के आर्थिक हितों का संतुलन बनाए रखना है।

कानून की मुख्य विशेषताएँ:

कानून का उद्देश्य:

- उभरती तकनीकों में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढत बनाए रखना।
- प्रतिद्वंद्वी देशों को उन्नत AI क्षमताओं का सैन्य या अन्य हानिकारक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने से रोकना।

राष्ट्रों का तीन-स्तरीय वर्गीकरण:

1. टियर-1 राष्ट्र:

- 18 सबसे करीबी सहयोगी देशों को शामिल करता है, जैसे **ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, कनाडा, फ्रांस**।
- उन्नत तकनीकों तक **अप्रतिबंधित पहुंच** प्रदान करता है।

2. टियर-2 राष्ट्र:

- इन देशों को नियंत्रित निर्यात के तहत **मध्यम प्रतिबंधों** का सामना करना पड़ता है।
- चिंता के मुद्दे: बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन और तकनीक के संभावित दुरुपयोग।
- **भारत** इस सूची में शामिल है।

3. टियर-3 राष्ट्र:

- इसमें **रूस, चीन और उत्तर कोरिया** जैसे प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र शामिल हैं।
- उन्नत तकनीकों पर **सबसे सख्त प्रतिबंध** लगाए गए हैं।

विशेष प्रावधान: जनरल वैलिडेटेड एंड यूजर (GVEU):

1. भारत:

- **सैन्य और नागरिक दोनों उद्देश्यों** के लिए उपकरणों के उपयोग की अनुमति।
- **नाभिकीय उपयोग पर प्रतिबंध**।

2. चीन:

- केवल **नागरिक उपयोग** की अनुमति।
- **सैन्य और नाभिकीय उपयोग दोनों पर प्रतिबंध**।

भारत पर प्रभाव:

तत्काल प्रभाव:

1. IndiaAI मिशन:

- ₹10,000 करोड़ के IndiaAI मिशन के तहत 10,000 GPUs खरीदने की योजना पर कोई असर नहीं होगा।
- स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एआई मॉडल प्रशिक्षण के लिए सब्सिडी वाले GPUs उपलब्ध कराए जाएंगे।

दीर्घकालिक चिंताएं:

1. लाइसेंसिंग और व्यापार वार्ता:

- लाइसेंसिंग अनिश्चितताएं और व्यापार वार्ताएं बड़े पैमाने पर एआई तैनाती में बाधा बन सकती हैं।

2. एआई कंप्यूट इन्फ्रास्ट्रक्चर:

- रिलायंस और योटा जैसी कंपनियों द्वारा एआई कंप्यूट इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजनाओं में **विलंब** हो सकता है।

3. डेटा सेंटर विस्तार:

- सैकड़ों हजार GPUs की आवश्यकता वाले एआई डेटा सेंटर का **विस्तार करना कठिन** हो सकता है।

अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण:

प्रमुख उद्देश्य:

1. **प्रतिद्वंद्वियों पर नियंत्रण:** चीन, ईरान, और रूस जैसे विरोधी देशों को उन्नत एआई तकनीकों तक पहुंचने से रोकने के लिए।
2. **सुरक्षित तकनीकी ढांचा:** एक भरोसेमंद तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों को कम करने के लिए।
3. **तकनीकी नेतृत्व की रक्षा:** अमेरिका के तकनीकी नेतृत्व को बनाए रखने के साथ-साथ नवाचार को बाधित न करने के उद्देश्य से।

नागरहोल टाइगर रिजर्व / Nagarhole Tiger Reserve

संदर्भ:

नागरहोल टाइगर रिजर्व में चीतल (स्पॉटेड डियर) की आबादी प्रभावशाली रूप से बढ़कर प्रति वर्ग किलोमीटर 28 के घनत्व तक पहुंच गई है।

चितल (स्पॉटेड डियर) के बारे में:

सामान्य परिचय:

- **वैज्ञानिक नाम:** एक्सिस एक्सिस
- **सामान्य नाम:** चीतल या स्पॉटेड डियर
- **महत्व:** भारत के सबसे सामान्य हिरणों में से एक, जो वनों की पारिस्थितिकी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वितरण:

1. **प्राकृतिक क्षेत्र:**
 - भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और बांग्लादेश (विशेष रूप से सुंदरबन क्षेत्र)।
2. **परिचयित क्षेत्र:**
 - अंडमान द्वीप समूह (भारत), अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, टेक्सास (यूएसए), और अन्य स्थान।

आवास और आहार:

- **पसंदीदा आवास:**
 - पर्णपाती वन, घास के मैदान और झाड़ीदार क्षेत्र।
- **आहार:** मुख्य रूप से घास, पत्तियां, फल और जड़ी-बूटियों पर निर्भर।

विशेषताएं:

- **अनूठी आदत:**
 - प्लासेंटोफेगी (गर्भनाल खाने) में संलग्न, जिससे शिकारी से बचने के लिए गंध के निशान हटते हैं।
- **सक्रिय अवधि:**
 - प्रातःकाल और संध्या के समय (क्रेपुस्कुलर व्यवहार) में अधिक सक्रिय, लेकिन कभी-कभी दिन में भी चारा खोजता है।

पारिस्थितिक भूमिका:

- **शिकारी-शिकार संबंध:** बाघ और तेंदुए जैसे बड़े शिकारी का मुख्य शिकार।
- **पारिस्थितिक योगदान:**
 - बीजों के फैलाव में मदद करता है और घास के मैदानों की पारिस्थितिकी बनाए रखता है।

संरक्षण स्थिति:

1. **आईयूसीएन रेड लिस्ट:**
 - "कम चिंताजनक" के रूप में सूचीबद्ध, व्यापक वितरण और स्थिर जनसंख्या के कारण।
2. **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972):**
 - अनुसूची II में शामिल, जो इसे शिकार से सुरक्षा प्रदान करता है।

नागरहोल टाइगर रिजर्व:

स्थान और क्षेत्र विवरण:

- **स्थान:** कर्नाटक के मैसूर और कोडागु जिलों में फैला हुआ।
- **क्षेत्रफल:** कुल 847.981 वर्ग किमी।
 - **कोर क्षेत्र:** 643.392 वर्ग किमी।
 - **बफर ज़ोन:** 204.589 वर्ग किमी।
- **भौगोलिक स्थिति:** बांदीपुर टाइगर रिजर्व और वायनाड वन्यजीव अभयारण्य के बीच स्थित, जो महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारों को जोड़ता है।

नागरहोल की जैव विविधता:

1. **वन्यजीव:**
 - **शिकारी:** बाघ, तेंदुए, एशियाई जंगली कुत्ते, और भालू।
 - **शाकाहारी:** हाथी, चीतल (स्पॉटेड डियर), भारतीय गौर, और चार सींग वाले मृग।
 - **पक्षी:** इसे "महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र" (IBA) के रूप में मान्यता प्राप्त है।
2. **वनस्पति:** मुख्य रूप से नम पर्णपाती वन, जिसमें सागौन और रोजवुड जैसे पेड़ प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

महत्व और मान्यता:

- **संरक्षण योजनाएं:**
 - प्रोजेक्ट टाइगर के तहत मान्यता प्राप्त।
 - प्रोजेक्ट एलीफेंट का हिस्सा।
- **पारिस्थितिकी योगदान:**
 - यह क्षेत्र शिकार-शिकारी संबंधों को संतुलित करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है।

मोटापे की समस्या / Obesity Problem

संदर्भ:

द लैंसेट ने बॉडी मास इंडेक्स (BMI) के बजाय बेहतर मोटापा मापन विधियों को अपनाने पर जोर दिया है। यह सटीक आकलन की आवश्यकता को रेखांकित करता है ताकि बढ़ती मोटापा दरों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

मोटापे के निदान में प्रस्तावित प्रमुख सुधार:

पुरानी वर्गीकरण प्रणाली:

- **पारंपरिक दृष्टिकोण (पुरानी प्रणाली):**
 - केवल **बॉडी मास इंडेक्स (BMI)** पर आधारित।
 - BMI **30 से ऊपर** को मोटापा माना जाता था।
 - यह प्रणाली **सरल लेकिन समस्याग्रस्त** थी।

नई वर्गीकरण प्रणाली:

1. द्वि-स्तरीय प्रणाली:

- नई प्रणाली में मोटापे को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है:
 - **क्लिनिकल मोटापा।**
 - **प्री-क्लिनिकल मोटापा।**

2. क्लिनिकल मोटापा:

- केवल शारीरिक माप नहीं, बल्कि स्वास्थ्य पर प्रभावों को भी ध्यान में रखता है, जैसे:
 - हृदय रोग।
 - मधुमेह।
 - जोड़ों की समस्याएँ।
- दैनिक गतिविधियों पर अतिरिक्त वजन के प्रभाव का आकलन करता है।

3. प्री-क्लिनिकल मोटापा:

- ऐसे व्यक्तियों की पहचान करता है, जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पहले **जोखिम में** हैं।
- **प्रारंभिक हस्तक्षेप** की अनुमति देता है और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है।

मोटापा: एक परिचय

मोटापा क्या है?

- मोटापा अत्यधिक शरीर में वसा (adipose tissue) के कारण होने वाली स्थिति है जो स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है।
- यह एक दीर्घकालिक (chronic) स्वास्थ्य समस्या है जो समय के साथ बढ़ती है।

मोटापे के कारण:

1. ऊर्जा असंतुलन:

- दैनिक ऊर्जा सेवन और खर्च के बीच असंतुलन, जिसके कारण अत्यधिक वजन बढ़ता है।

2. अनुवांशिक और सामाजिक कारक:

- मोटापा बहुक्रियात्मक रोग है, जिसमें आनुवंशिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कारण शामिल होते हैं।
- **अनुवांशिक प्रभाव:** अध्ययन बताते हैं कि मोटापा अत्यधिक वंशानुगत होता है और कई जीन वजन बढ़ाने और वसा संचय से जुड़े हैं।

3. अन्य कारण:

- शारीरिक गतिविधि में कमी।
- अनिद्रा और अंतःस्रावी (endocrine) विकार।
- उच्च-शर्करा वाले खाद्य पदार्थ और कार्बोहाइड्रेट का अत्यधिक सेवन।
- कुछ दवाइयाँ और धीमी ऊर्जा चयापचय।

स्वास्थ्य प्रभाव:

1. बीमारियाँ:

- **हृदय रोग और डिसलिपिडेमिया।**
- **इंसुलिन प्रतिरोध और मधुमेह।**
- **स्ट्रोक, पित्ताशय की पथरी, और फेटी लिवर।**
- **स्लीप एपनिया, हाइपोवॉटिलेशन सिंड्रोम, और कैंसर।**

2. मृत्यु दर:

- मोटापा धूम्रपान के बाद मौत के रोकथाम योग्य कारणों में दूसरे स्थान पर है।

न्यूरोलिंग द्वारा मानव मस्तिष्क प्रत्यारोपण / Human Brain Implant by Neuralink

संदर्भ:

न्यूरोलिंग कॉर्पोरेशन (एक न्यूरोटेक्नोलॉजी जो मस्तिष्क और कंप्यूटर के बीच सीधा संपर्क स्थापित करती है। न्यूरोलिंग की ब्रेन चिप, दिमाग की गतिविधि को रिकॉर्ड करती है और उसे उत्तेजित करती है।) के संस्थापक एलन मस्क ने हाल ही में दिए गए बयान में कहा कि कंपनी के मस्तिष्क-कंप्यूटर उपकरण को तीसरे रोगी में प्रत्यारोपित किया गया है और कंपनी की 2025 में 20 से 30 और प्रत्यारोपण करने की योजना है।

न्यूरोलिंग ब्रेन इम्प्लांट/चिप के बारे में:

उद्देश्य:

- न्यूरोलिंग का उद्देश्य **नर्वस सिस्टम** को **कंप्यूटर** से जोड़ना है।
- यह मस्तिष्क संबंधी विकारों का उपचार करने, **मस्तिष्क चोटों** को ठीक करने और अन्य अनुप्रयोगों पर केंद्रित है।

लक्ष्य:

- **सिर्फ सोचकर** कंप्यूटर कर्सर या कीबोर्ड को नियंत्रित करने की क्षमता प्रदान करना।
- प्रारंभिक उपयोगकर्ता वे होंगे जिन्होंने **अपने अंगों का उपयोग खो दिया है**।



न्यूरोलिंग के बारे में:

परिचय:

- न्यूरोलिंग एक **अमेरिकी न्यूरोटेक्नोलॉजी कंपनी** है।
- यह **ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस** को इम्प्लांट करती है।
- इसकी स्थापना **2016 में एलन मस्क** ने की थी।

उद्देश्य:

- **मस्तिष्क प्रत्यारोपण** (ब्रेन इम्प्लांट) के जरिए,
 - **गंभीर चोटों** वाले व्यक्तियों को केवल अपने **विचारों के माध्यम से कंप्यूटर नियंत्रित** करने में सहायता करना।
 - **पार्किंसन** जैसे न्यूरोलॉजिकल विकारों का समाधान करना।

लक्ष्य:

- **मानव क्षमताओं** को बढ़ाना और न्यूरोलॉजिकल स्थितियों में सुधार करना।

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (BCI) के अनुप्रयोग:

1. चिकित्सा उपचार:

- **न्यूरोलॉजिकल विकारों का उपचार:**
 - **मस्तिष्क विकार** जैसे एपिलेप्सी, पार्किंसन, और न्यूरोडीजेनेरेटिव समस्याओं का निदान और उपचार।
- **स्ट्रोक पुनर्वास:**
 - स्ट्रोक के बाद मोटर फंक्शन की पुनर्प्राप्ति में मदद।

2. सहायक प्रौद्योगिकी:

- **मस्तिष्क द्वारा उपकरणों का नियंत्रण:**
 - विचारों के माध्यम से कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, या रोबोटिक उपकरणों को नियंत्रित करना।
- **संवाद बहाली:**
 - **लॉक-इन सिंड्रोम** जैसी स्थितियों में संचार को पुनः स्थापित करना।

3. मानसिक स्वास्थ्य निगरानी:

डाटा ट्रेकिंग: डिप्रेशन और एंजायटी जैसी मानसिक स्थितियों की निगरानी और प्रबंधन में उपयोग।

4. वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी:

- **उन्नत अनुभव:** उपयोगकर्ताओं को अपने विचारों के माध्यम से डिजिटल वातावरण के साथ इंटरैक्ट करने में सक्षम बनाना।

चुनौतियाँ:

1. **पशु अधिकार समूहों का विरोध:** न्यूरोलिंग पर प्राइमेट्स पर परीक्षण करने को लेकर पशु अधिकार समूहों ने आपत्ति जताई है।
2. **सुरक्षा और विश्वसनीयता:** इसके सुरक्षा और विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। गड़बड़ी या खराबी के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, इसलिए कठोर परीक्षण आवश्यक है।
3. **गोपनीयता और सुरक्षा:** मस्तिष्क इम्प्लांट्स से डेटा गोपनीयता समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। बिना अनुमति के न्यूरोल जानकारी का एक्सेस रोकना जरूरी है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !



ANKIT AVASTHI

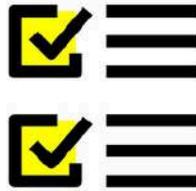


RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now



GA FOUNDATION

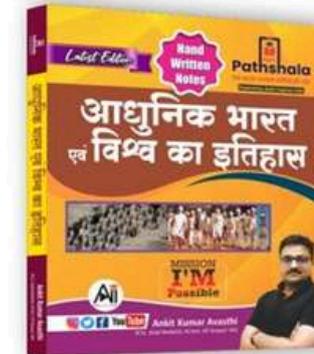
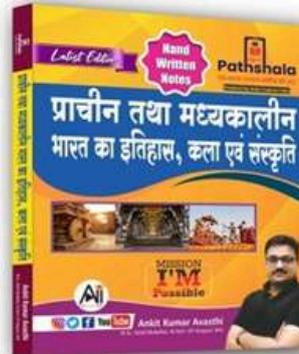
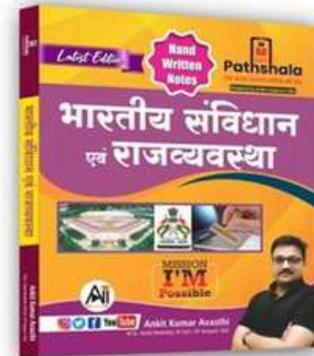
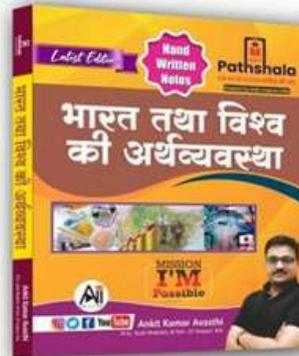
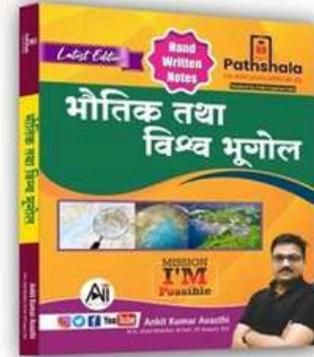
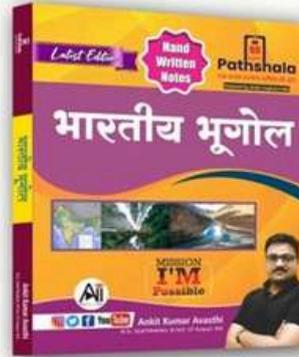
Hand Written
Notes


Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर


Ani
Ankit Inspires India

₹ **Only**
1999

**4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट**



अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**



APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

▶ POLITY ▶ ECONOMICS
▶ HISTORY ▶ GEOGRAPHY

FOR ALL

-  DAILY LIVE CLASSES
-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs

4999/-



Apni Pathshala  7878158882

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

ONLY POLITY



1499
RS

DAILY LIVE CLASSES

-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala



7878158882



Apni.Pathshala



kaankit



AnkitAvasthiSir



Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)



Only at

99/- Year

Enroll Now!

